

卐 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ 卐

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

वृषभ राशिफल 2027

मुफ़्त वार्षिक मार्गदर्शिका

वृषभ चंद्र राशि

गुरु, शनि, राहु–केतु · महीनेवार · ग्रहण

iastroguru.com/hi

IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

2027 में किन बातों पर ध्यान दें?

वृषभ चंद्र राशि के लिए 2027 की शुरुआत में गुरु चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) और शनि ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) में हैं। इन विषयों पर ध्यान दें और नीचे के गोचर बदलावों के साथ अपनी योजना की समीक्षा करें।

2027 के प्रमुख गोचर

हर अवधि का आरंभ शामिल है और अंत अगली अवधि का आरंभ है। वक्री गति से उसी राशि में वापसी अलग दिखाई गई है। सभी समय भारतीय मानक समय में।

> गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

> गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 25 जन॰ 2027, 01:31 → 26 जून 2027, 05:19

> गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 26 जून 2027, 05:19 → 26 नव॰ 2027, 18:44

> गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद।
>
> 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 जन॰ 2028, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

3 जून 2027, 05:28 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल।

20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

महीनेवार सुझाव

जनवरी 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 25 जन॰ 2027, 01:31 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

फ़रवरी 2027

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

मार्च 2027

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

अप्रैल 2027

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

मई 2027

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

जून 2027

गुरु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जून 2027, 00:00 → 26 जून 2027, 05:19

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 26 जून 2027, 05:19 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 जून 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 3 जून 2027, 05:28 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

जुलाई 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

अगस्त 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

सितंबर 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

अक्टूबर 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 नव॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

नवंबर 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 26 नव॰ 2027, 18:44

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

दिसंबर 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

शनि: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अनुशासित मेहनत से स्थिर फल। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

2027 के ग्रहण

वलयाकार सूर्य ग्रहण — नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं)

6 फ़र॰ 2027, 21:29

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन)

21 फ़र॰ 2027, 04:42

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं)

18 जुल॰ 2027, 21:33

पूर्ण सूर्य ग्रहण — तीसरे भाव (साहस, भाई-बहन, हाथ और वाणी के कौशल और छोटी यात्राओं)

2 अग॰ 2027, 15:36

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — नौवें भाव (भाग्य, पिता, गुरुजन, आस्था और लंबी यात्राओं)

17 अग॰ 2027, 12:43

ये विश्वव्यापी अधिकतम के समय हैं; भारत या आपके शहर में दिखाई देना अलग गणना है। सूर्य ग्रहण में सूर्य का और चंद्र ग्रहण में चंद्रमा का भाव दिखाया गया है। ग्रहण किसी अनिष्ट की गारंटी नहीं है; सामान्य योजनाएँ डर के आधार पर न बदलें।

गणना और सीमाएँ

यह सामान्य चंद्र राशिफल है, व्यक्तिगत भविष्यवाणी नहीं। लाहिरी अयनांश, पूर्ण राशि भाव और माध्य राहु–केतु; शुभ भाव शास्त्रीय गोचर नियमों से, वेध लागू नहीं। सामग्री उन्नत iAstroGuru इंजन द्वारा निश्चित शास्त्रीय नियमों से गणना की गई है और बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से गुज़रती है। आपकी जन्म कुंडली और दशा से फल अलग हो सकता है। समय भारतीय मानक समय में हैं; भाव बदलने का समय लगभग एक मिनट तक की गणना है।

अपनी कुंडली से पूरा 2027

राशिफल हर उस व्यक्ति के लिए एक जैसा है जिसकी चंद्र राशि आपकी है। संपूर्ण वार्षिक रिपोर्ट 2027 आपकी अपनी जन्म कुंडली से पूरा वर्ष पढ़ती है: दशाएँ, वर्षफल, गोचर, ग्रहण, जीवन का हर क्षेत्र और जनवरी से दिसंबर तक हर महीना।



iastroguru.com/hi/reports/annual-report-2027

मुफ़्त कुंडली, दैनिक राशिफल और पंचांग: **iastroguru.com/hi**